LITTLE STORYBOOK से बनी

दिवाली क्या होती है?

चित्र पाठ

littlestorybook.ai



ये सब किसलिए?

सरसर... बगीचे की दीवार के ऊपर से मेई झाँकती है। नानी के नीले दरवाज़े के पास आशा और जय बड़ा-सा कागज़ी तारा टाँग रहे हैं। “ये सब क्यों?” मेई पूछती है। जय खुशी से बोलता है, “दिवाली आने वाली है!” मेई सोच में पड़ जाती है, “दिवाली क्या होती है?”





मिट्टी का छोटा दीया

नानी सीढ़ी पर बैठकर हथेली पर मिट्टी का छोटा-सा दीया दिखाती हैं। अंदर रुई की पतली बाती रखी है। मेई आँखें पास करके देखती है—गोल, प्यारा, और इतना छोटा कि हाथ में आराम से आ जाए।

> **आओ बात करें**
> तुम्हें क्या लगता है, दीया किस काम आता है?

नन्ही-सी लौ

नानी दीये में ज़रा-सा तेल डालती हैं। समय आने पर कोई बड़ा बाती जलाता है, और दीये में नन्ही-सी लौ चमकती है। दिवाली पर घर-घर में ऐसे बहुत सारे दीये जलते हैं।





चाँद कहाँ गया?

दिवाली साल में एक बार आती है, उस मौसम में जब हवा थोड़ी ठंडी लगने लगती है। उस खास रात आसमान में चाँद नहीं होता। आशा ऊपर दिखाती है। मेई भी देखती है—न पूरा चाँद, न चाँद का टुकड़ा!

> **आओ बात करें**
> जब चाँद ही नहीं दिखता, दिवाली की रात कैसी लगेगी?

अँधेरे में रोशनी

इसलिए दिवाली की रात लोग अँधेरे को रोशनी से भर देते हैं। सीढ़ियों पर दीये, दीवार के पास दीये, खिड़कियों पर दीये। एक लौ छोटी होती है, पर बहुत सारी छोटी लौ मिलकर पूरी गली को चमका देती हैं।





दरवाज़े की रंगोली

नीले दरवाज़े के पास आशा और मेई रंगोली बना रही हैं। रंगीन पाउडर और फूलों की पंखुड़ियों से वे सीढ़ी पर सुंदर-सा नमूना बनाती हैं—ठीक वहीं, जहाँ से मेहमान घर में आएँगे।

आओ बात करें

दरवाज़े पर रंगोली क्यों बनाते हैं?

littlestorybook.ai

आइए, आइए!

रंगोली सबका स्वागत करती है। और दिवाली पर सचमुच बहुत लोग आते हैं—आंटियाँ, अंकल, कज़िन। सब खास कपड़े पहनकर आते हैं, हँसते हैं, “नमस्ते!” कहते हैं, और सबको बड़ी-बड़ी झप्पियाँ मिलती हैं।





मिठाई का डिब्बा

फिर नानी मिठाई का बड़ा डिब्बा खोलती हैं। अंदर पीले गोल लड्डू और नारंगी जलेबियाँ हैं। जय के मुँह में पानी आ जाता है। नानी ढक्कन बंद करती हैं और डिब्बा उठाकर दरवाज़े की ओर चल पड़ती हैं।

आओ बात करें

नानी मिठाई किसके साथ बाँट सकती हैं?

littlestorybook.ai

पहला डिब्बा पड़ोस में

नानी सबसे पहला मिठाई का डिब्बा मेई के परिवार को देती हैं। दिवाली पर मिठाई घरवालों, दोस्तों और पड़ोसियों के साथ बाँटी जाती है। मेई की माँ भी मुस्कुराकर नानी को डम्पलिंग्स की प्लेट देती हैं।





हैप्पी दिवाली!

सब नानी की सीढ़ियों पर एक साथ खड़े हैं। दीयों की नन्ही-नन्ही लौ उनके चेहरों पर चमक रही है। मेई कहती है, “अच्छा, दिवाली में रोशनी होती है, स्वागत होता है, और बाँटना होता है।” आशा और जय हँसकर बोलते हैं, “हैप्पी दिवाली!” तुम दिवाली पर क्या बाँटोगे?

littlestorybook.ai

तुम्हें क्या याद है?

1 दीया क्या होता है?

A. मिट्टी का छोटा दीपक

B. चाय पीने का मिट्टी का कप

C. एक तरह की मिठाई

2 दिवाली की रात इतनी अँधेरी क्यों होती है?

A. क्योंकि आसमान में चाँद नहीं होता

B. क्योंकि सूरज बादलों के पीछे छिपा होता है

C. क्योंकि सब लोग अपनी बत्तियाँ बंद कर देते हैं

3 दरवाज़े के पास बनी रंगोली क्या कहती है?

A. आइए, स्वागत है!

B. कृपया अंदर मत आइए

C. अब सोने का समय है

4 दिवाली की मिठाई किसके साथ बाँट सकते हैं?

A. घरवालों, दोस्तों और पड़ोसियों के साथ

B. सिर्फ अपने घरवालों के साथ

C. किसी के साथ नहीं, ये तो राज़ की चीज़ है

उत्तर 1-A 2-A 3-A 4-A

1. हाँ! दीया मिट्टी का छोटा दीपक होता है, जिसमें नन्ही-सी लौ जलती है। 2. बिलकुल। दिवाली ऐसी रात होती है जब चाँद नहीं दिखता। 3. हाँ! रंगोली मेहमानों का स्वागत करती है। 4. हाँ! नानी ने सबसे पहला डिब्बा मेई के परिवार को दिया था।

समाप्त

चित्र पाठ

अपने बच्चे को इस कहानी में लाइए

मुफ़्त में आज़माइए। कोड स्कैन कीजिए या यहाँ जाइए

littlestorybook.ai/learn/hi/what-is-diwali-for-kids

LITTLE STORYBOOK
littlestorybook.ai